नंदा सप्तमी व्रत कथा

प्राचीन कथा के अनुसार बहुत समय पहले गोकुल के राजा नंद और उनकी पत्नी यशोदा संतान सुख के लिए बहुत दुखी थे। लंबे समय तक उनके कोई संतान नहीं थी, जिससे वे बहुत परेशान रहते थे। इस पर एक दिन भगवान श्री कृष्ण के भक्तों में से एक ब्राह्मण ने नंद और यशोदा से कहा कि यदि वे माघ मास की शुक्ल सप्तमी को एक विशेष व्रत रखेंगे तो उन्हें संतान सुख की प्राप्ति होगी।

नंद और यशोदा ने इस व्रत को करने का निर्णय लिया। उन्होंने माघ मास की शुक्ल सप्तमी को व्रत रखते हुए व्रत रखा। व्रत के दौरान नंद और यशोदा ने पूरे मन से देवी नंदिनी की पूजा की और उनसे संतान सुख की प्रार्थना की। भगवान श्री कृष्ण की कृपा से उनके व्रत का शीघ्र ही फल मिला और यशोदा ने एक सुंदर बालक को जन्म दिया, जो भगवान श्री कृष्ण के रूप में गोकुल में प्रकट हुए।

pdfinbox.com